Look n Learn
Children's Jain E-book

Serial No. 51

The knowledge of
32 Aagams
in your phone

To subscribe please Watts app - Jai Jinendra on +91 8104461579

Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb

Story time

A day without laughter is a day wasted

Story time

एक व्यक्ति ने कहा-

मुझे क्रोध बहुत आता है,

मुझे क्रोध से कैसे छुटकारा मिल सकता है?

मैंने पूछा-तुम्हें क्रोध कब आता है?

उसने कहा-जब सामनेवाला गलती करता है तब।

मैंने कहा-सजा तो उसे मिलनी चाहिये
जिसने गलती की है
किन्तु तुम किसे सजा देते हो?
गलती सामने वाले ने की
और क्रोध तुम्हें आया, अब बताओ...

सिर किसका गरम हुआ? मेरा।
दिल किसका जला? मेरा।
भाव किसके बिगड़े? मेरे।
चहेरा किसका बिगड़ा? मेरा।

भाषा किसकी बिगड़ी? मेरी।
व्यवहार किसका बिगड़ा? मेरा।
देखने-सुनने वालों की दृष्टि में प्रतिष्ठा
किसकी बिगड़ी? मेरी।

सामनेवाले का क्या बिगड़ा? कुछ नहीं।
सामने वाले की गलती की सजा
किसको मिली? मुझे स्वयं को।

सामने वाले की गलती की सजा
स्वयं को देना इसे कहते है-क्रोध

क्रोध=क+रोध

याने कल्याण मार्ग का
अवरोधक तत्व है क्रोध

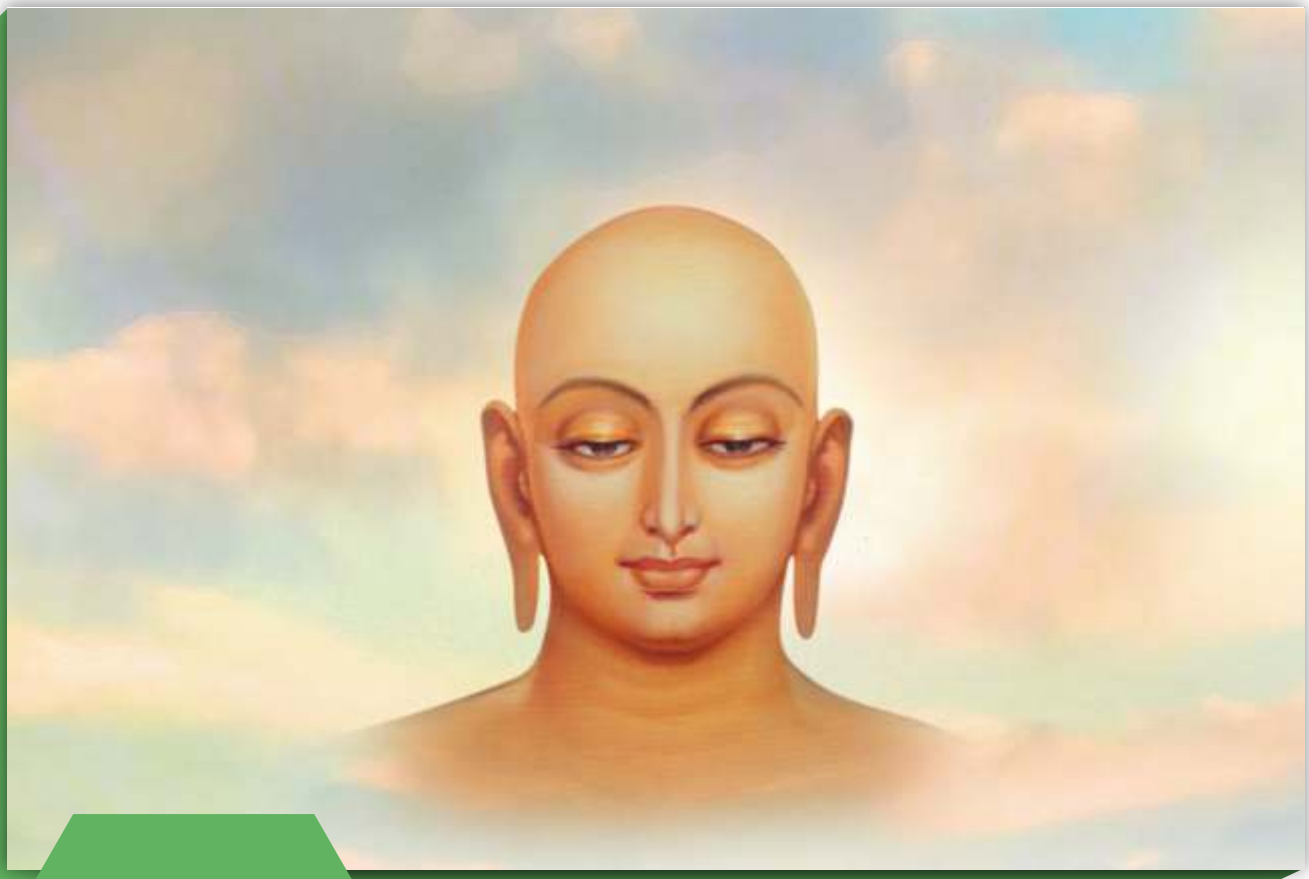

क्रोध को प्रेम में बदल दो,
कृष्ण बन जाओगे।
क्रोध को ध्यान में बदल दो,
बुध्ध बन जाओगे।
क्रोध को करुणा में बदल दो,
महावीर बन जाओगे।
क्रोध को भक्ति में बदल दो,
भगवान बन जाओगे।